चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार,

1 अप्रैल से 15 अप्रैल 2025 तक कपास की खेती के लिए सुझाव

बिजाई का समय

- नरमा की बिजाई अप्रैल में शुरू कर मध्य मई तक कर लें। जून माह में नरमा की बिजाई न करें। बिजाई से पहले पलेवा गहरा लगाएं, बिजाई सुबह या शाम के समय की जानी चाहिए। पूर्व से पश्चिम की दिशा में कपास की बिजाई लाभकारी होती है।
- देशी कपास की बिजाई अप्रैल माह में ही कर ले।
- खेत की तैयारी सुबह या शाम को ही करें खरपतवार के लिए स्टोम्प 2 लीटर प्रति एकड़ का छिड़काव बिजाई के बाद या जमाव से पहले करें बीटी कपास के दो खूडों के बीच में मूंग (MH 421) के दो खूड लगा सकते हैं।
- जो किसान भाई टपका विधि से बी टी नरमा की बिजाई करना चाहते हैं वह जब तक जमाव नहीं होता तब तक रोज 10 से 15 मिनट सुबह–शाम ड्रिप अवश्य चलाएं व जमाव के बाद हर चौथे दिन लगभग 30 से 35 मिनट ड्रिप चलाएं।

उर्वरक

- किसान भाई मिट्टी की जांच अवश्य करवाएं, मिट्टी की जांच के आधार पर ही पोषक तत्व की मात्रा तय की जानी चाहिए। बी टी कपास की बिजाई के समय एक एकड़ में एक बैग यूरिया, एक बैग डी.ए.पी, 30 से 40 किलो ग्राम पोटाश व 10 किलो ग्राम जिंक सल्फेट (21 प्रतिशत खेत की तैयारी के समय अवश्य डालें।
- देशी कपास की बिजाई के समय एक एकड़ में 15 किलो ग्राम यूरिया व 10 किलो ग्राम जिंक सल्फेट अवश्य डालें।

उन्नत किस्में

- हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित देशी कपास की उन्नत किस्में –
  देशी कपास की उन्नत किस्में– **एच डी 123 , एच डी 432**
- किसान भाई बी टी कपास का विश्वविद्यालय द्वारा सिफारिश किया हुआ बीज ही लें (सूचि सलंग्न)। इसकी जानकारी के लिए आप जिले के कृषि विभाग या कृषि विज्ञान केंद्र से संपर्क कर सकते हैं। बी टी कपास का बीज प्रमाणित संस्था या अधिकृत विक्रेता से ही लें तथा इसका पक्का बिल अवश्य लें।

बीज की मात्रा

किस्म	रोंए उतारे बीज (कि.ग्रा. प्रति एकड)	रोंएदार बीज (कि.ग्रा. प्रति एकड)
अमरीकन कपास	6–8	8–10
बी टी कपास की संकर किस्में	0.850	–
देशी कपास की संकर किस्में	1.2 –1.5	–
देशी कपास	5.0	6.0

- बीटी नरमा के दो पैकेट प्रति एकड़ के हिसाब से बिजाई करें। कतार से कतार व पौधे से पौधे की दूरी 100 x 45 सेंटीमीटर या 67.5 x 60 सेंटीमीटर रखें।

बीज का उपचार

- जो किसान भाई अमेरिकन कपास (नॉन बी टी) या देशी कपास की बिजाई करना चाहते हैं बढ़िया परिणाम के लिए बिजाई से पहले नीचे दी गई दवाइयों से बीज को उपचारित करें । बिजाई से पहले रोए वाले बीज (6 – 8 किलोग्राम) का 6 से 8 घंटे तक तथा रोए उतारे गए बीज (5–6 किलोग्राम) का केवल 2 घंटे तक निम्नलिखित दवाइयों से उपचार करें।
- एमिशन– 5 ग्राम, स्ट्रेप्टोसाइक्लीन–1 ग्राम, सक्सीनिक – 1 ग्राम, को 10 लीटर पानी में मिलाकर उपचारित करें।
- इन दवाइयों से बीज उपचारित करने से पौधों का बहुत से फफूंदो तथा जीवाणुओं से बचाव हो जाता है। यह उपचार फसल को 40 – 50 दिन तक ही बचा सकता है। इसके बाद छिड़काव कार्यक्रम आरंभ कर दें।
- जिन क्षेत्रों में दीमक की समस्या हो वहां उपयुक्त उपचार के बाद बीज को थोड़ा सुखाकर 10 मिली लीटर क्लोरपाइरीफॉस 20 ई. सी. व 10 मिली लीटर पानी प्रति किलो बीज की दर से मिलाकर थोड़ा–थोड़ा बीज पर छिड़के व अच्छी तरह मिलाएं तथा बाद में 30 – 40 मिनट बीज को छाया में सुखाकर बिजाई करें।

महत्वपूर्ण सावधानियाँ

- वर्तमान में गुलाबी सुंडी के प्रति बी टी कपास का प्रतिरोधक बीज उपलब्ध नहीं है अतः 3G, 4G एवं 5G के नाम से आने वाले बीजों से सावधान रहें।
- गुलाबी सुण्डी बी टी नरमे के दो बीजों (बिनौले) को जोड़कर 'भंडारित लकड़ियों' में निवास करती है, इसलिए लकड़ी व बिनौलों का भण्डारण सावधानीपूर्वक करें ।
- **किसान भाई अपने खेत में या आसपास रखी गई पिछले साल की नरमा की लकड़ियों के टिन्डे एवं पत्तों को झटका कर अलग कर दें एवं इक्कठा हुए कचरे को नष्ट कर दें। इन लकड़ियों के टिन्डो में गुलाबी सुंडी निवास करती है अतः यह कार्य अप्रैल महीने के अंत तक जरूर कर लें।**
- जिन किसान भाइयों ने अपने खेतों में बी टी नरमा की लकड़ियों को भंडारित करके रखा है या उनके खेतों के आसपास कपास की जिनिंग व बिनौलों से तेल निकालने वाली मिल लगती है उन

किसानों को अपने खेतों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है क्योंकि इन किसानों के खेतों में गुलाबी सुण्डी का प्रकोप अधिक होता है।

- कपास की शुरुआती अवस्था में ज्यादा जहरीले कीटनाशको का प्रयोग ना करें। ऐसा करने से मित्र कीटों की संख्या भी कम हो जाती है।
- विश्वविद्यालय द्वारा नरमा/कपास की खेती के लिए हर 15 दिन में वैज्ञानिक सलाह जारी की जाती है अतः उसके अनुसार ही सस्य क्रियांए एवं कीटनाशकों का प्रयोग करें।

अधिक जानकारी के लिए निम्नलिखित नंबरों पर संपर्क करें

8002398139 7015105638 9812700110 9416530089 9041126105 9992911570 9466812467 8901047834

कपास अनुभाग, आनुवंशिकी एवं पौधों प्रजनन विभाग

अनुसंधान निदेशालय,चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार

उत्तरी भारत में खरीफ 2025 के लिए बी टी कपास की अनुशंसित संकर किस्में

Sr. No.	Hybrid	Sponsoring Company
1.	ACH 133-2	Ajeet Seeds Pvt Ltd
2.	ACH 177-2	
3.	ACH 33-2	
4.	ACH 155-2	
5.	ACH 945-2	
6.	ACH 955-2	
7.	ACH 999-2	
8.	ACH 559-2	
9.	ACH 902-2	
10.	ANKUR 3224	Ankur Seed Pvt Ltd
11.	ANKUR 3228	
12.	ANKUR 3244	
13.	ANKUR 5642	
14.	ANKUR 999 (Haryana only)	
15.	ANKUR 555 (Haryana only)	
16.	ANKUR JASSI	
17.	ANKUR 101 (Haryana only)	
18.	ARCH 220	
19.	841-2	Bioseed Research Ltd
20.	846-2	
21.	GBCH 95 (Haryana only)	Green Gold Seed
22.	GBCH 85 (Haryana only)	
23.	KCH 172	Kaveri Seeds Pvt Ltd
24.	KCH 999	
25.	KCH 307	
26.	KCH 9323	
27.	KCH 9333	
28.	KCH 9355	
29.	KDCH 441	Krishidhan Seeds Pvt Ltd
30.	KDCH 641	
31.	KDCHH 621	
32.	KSCH 207	Kohinoor Seeds
33.	KSCH 211 (Haryana only)	
34.	KSCH 218 (Haryana only)	
35.	MRC 7301	Mahyco Pvt Ltd
36.	MRC 7361	
37.	MRC 7365	
38.	VICH 308	
39.	VICH 309	
40.	VICH 310	
41.	MRC 7041	
42.	C 9314	
43.	C 9313	

44.	NCS 4455	Nuziveedu Seeds
45.	NCS 9002	
46.	NCS 9024	
47.	NCS 459	
48.	NCS 495	
49.	NCS 855	
50.	NCS 857	
51.	NCS 9013	
52.	PCH 225	Prabhat Agri Biotech
53.	PCH 879	
54.	PCH 9611	
55.	PRCH 333	Pravardhan Seed
56.	PRCH 7799 (Haryana only)	
57.	MH 5302	Rallis India Ltd
58.	MH 5304 (Haryana only)	
59.	MC 5403	
60.	MC 5408	
61.	MC 5410	
62.	RCH 314	Rasi Seed Pvt Ltd
63.	RCH 650	
64.	RCH 653	
65.	RCH 776	
66.	SHAKTI 9	
67.	RCH 605 (Haryana only)	
68.	RCH 773	
69.	RCH 791 (Haryana only)	
70.	RCH 938	
71.	RCH 951	
72.	RCH 846	
73.	RCH 926	
74.	RCH 960	
75.	RCH 983	
76.	RCH 1136	
77.	RCH 1101	
78.	RCH 1139	
79.	RCH 997	
80.	RCH 1103	
81.	SOLAR 77	Solar Agro Pvt Ltd
82.	SUPER 544	Super seed Pvt Ltd
83.	SUPER 721	
84.	SUPER 965	
85.	SUPER 971	
86.	SWCH 4735	Seed Works Pvt Ltd
87.	SWCH 4750	
88.	SWCH 4768	

89.	SOLAR 75	Solar Agro Pvt Ltd
90.	SWCH 4744	Seeds Works Pvt Ltd
91.	SWCH 4755	
92.	SO7H878	Tierra Agrotech Ltd
93.	Raghuvir	
94.	C 352	

CHAUDHARY CHARAN SINGH HARYANA AGRICULTURAL UNIVERSITY
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय
कृषिरेव महालक्ष्मीः
AGRICULTURE IS SUPREME WEALTH
1970